

DPL-04
December – Examination 2021
Diploma in Prakrit Language
Examination
पाण्डुलिपि विज्ञान एवं प्राकृत पाण्डुलिपियाँ
Paper : DPL-04

Time : 1½ Hours]

[Maximum Marks : 100

Note :- The question paper is divided into two Sections A and B. Write answers as per the given instructions.

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section-A

5×4=20

(Very Short Answer Type Questions)

Note :- Answer any *five* questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to **30** words. Each question carries 4 marks.

खण्ड—अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।

1. (i) पाण्डुलिपि किसे कहा जाता है ?
- (ii) लिपिकर्ता के किन्हीं दो गुणों का उल्लेख कीजिए।
- (iii) पेलियोग्राफी क्या है ?
- (iv) लेखन की शुभाशुभ परम्परा किसे कहते हैं ?
- (v) पाठान्तर किसे कहते हैं ?
- (vi) मुष्टी पाण्डुलिपि क्या है ?
- (vii) भाषा एवं लिपि में क्या अन्तर है ?
- (viii) नागरी लिपि का विकास कहाँ हुआ है ?
- (ix) ताल वृक्ष कितने प्रकार का होता है ?
- (x) पाठालोचन की क्या आवश्यकता होती है ?

Section-B

4×20=80

(Very Short Answer Type Questions)

Note :- Answer any four questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 20 marks.

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2. ब्राह्मी लिपि पर विशद् लेख लिखिए।
3. पाण्डुलिपि सम्पादन की विधियों का वर्णन कीजिए।
4. राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन का वर्णन कीजिए।
5. पाण्डुलिपि काल निर्णय का विवेचन कीजिए।
6. पाण्डुलिपि संरक्षण की समीक्षा दीजिए।
7. पाण्डुलिपि के विविध प्रकारों का वर्णन कीजिए।
8. पाण्डुलिपि के स्रोत को स्पष्ट कीजिए।
9. पाण्डुलिपि की प्राप्ति में संस्थागत प्रयत्नों को संक्षेप में समझाइए।